भाकृअनुप
ICAR

सत्यमेव जयते
Department of Biotechnology
Govt. of India

मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II के अंतर्गत

प्रेरणादायक सफलता की गाथाएँ

संकलक एवं संपादक :
डॉ. राकेश कुमार वर्मा
डॉ. संजीव कुमार

प्रकाशक :

निदेशक , भा. कृ. अनु. प. - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान,

खण्डवा रोड़, इन्दौर- 452001 (म. प्र.)

प्रायोजक:

डी.बी.टी. (जैव प्रोद्योगिकी विभाग) द्वारा प्रायोजित मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक किसान हब की विस्तार गतिविधि परियोजना

संकलक एवं संपादक : **डॉ. राकेश कुमार वर्मा, डॉ. संजीव कुमार**

डेटा संग्रहण : **दीपिका गौड़, सुनील दांगी, संजय सिंह, पवन सैनी**

उद्धरण : **डॉ. राकेश कुमार वर्मा, डॉ. संजीव कुमार (2025),**

मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक किसान हब की विस्तार गतिविधियाँ परियोजना के अंतर्गत प्रेरणादायक सफलता की गाथाएँ,

भा. कृ. अनु. प. - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इन्दौर - (म. प्र.)

पृष्ठ संख्या -10

1 वैज्ञानिक मार्गदर्शन-भरपूर उत्पादन

परिचय

नाम : **श्री रामनारायण जी**
पिता : श्री सीताराम
पता : ग्राम सिंघोट जिला-खंडवा(म.प्र.)
आयु : 48 वर्ष
कुल जमीन : 4 एकड़
खरीफ फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 9285137032
सलाहकार संस्थाएं : भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति, कृषि विज्ञान केंद्र-खण्डवा
परियोजना : डी.बी.टी., वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण-II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और बीमारियों का प्रकोप।
2. जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
3. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।
4. पुरानी कृषि पद्धति से खेती/सस्य अनुसंशायें नही अपनाना।

निवारण

सिंघोट जिले के रहने वाले प्रगतिशील किसान **श्री रामनारायण** मुख्य रूप से खरीफ मे सोयाबीन की खेती करते हैं। जो कि नई-नई तकनीकियों को अपनाने मे विश्वास रखते है वर्तमान में कृषकों को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए नई प्रोद्योगिकी को अपनाना अति आवश्यक है। श्री रामनारायण जी पुरानी पद्धति से खेती करते आ रहे थे, इनके अनुसार पूर्ण रूप से बीज, श्रम, खाद का प्रयोग करने के बाद भी अच्छी फसल का उत्पादन नहीं हो पा रहा था। श्री रामनारायण जी, मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II के माध्यम से जुड़े। इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर से उत्तम/उत्कृष्ट बीज,खाद, कीटनाशक एवं फफूंदनाशक उपलब्ध करवाएं इसके अंतर्गत वैज्ञानिकों से तकनिकी सलाह प्राप्त कर उत्तम/उत्कृष्ट बीज का प्रयोग,अनुसंशित बीज दर,बीबीएफ(ब्रॉड बेड फर्रो) पद्धति से बुआई, अनुसंशित उर्वरकों की मात्रा एवं डालने का समय कीटनाशको एवं फफूंदनाशकों उचित समय पर प्रयोग किया ,जिससे खरीफ 2024 में सोयाबीन का उत्पादन 2.5 क्विंटल/एकड़ से बढ़कर 5.7 क्विंटल/एकड़ उत्पादन प्राप्त हुआ।

2 वैज्ञानिक मार्गदर्शन अपनाएं - अधिक उत्पादन पाएं

परिचय

नाम : **श्री कमलेश जाधव**
पिता : श्री श्यामलाल जाधव
पता : ग्राम सिंघोट जिला-खंडवा (म.प्र.)
आयु : 30 वर्ष
कुल जमीन : 5 एकड़
खरीफ फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 8516979179
सलाहकार संस्थाएं : भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति, कृषि विज्ञान केंद्र-खण्डवा
परियोजना : डी.बी.टी.,वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण-II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और बीमारियों का प्रकोप।
2. जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
3. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।
4. पुरानी कृषि पद्धति से खेती करना/सस्य अनुसंशायें नही अपनाना।

निवारण

श्री कमलेश जाधव जी एक जागरूक किसान है जो, मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के माध्यम से जुड़े है। इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर से उत्तम/उत्कृष्ट बीज, खाद, कीटनाशक एवं फफूंदनाशक उपलब्ध करवाएं इन्होने इस परियोजना के माध्यम से भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में सोयाबीन उत्पादन प्रणाली में नवीन तकनिकी, बीजोपचार, नवीन किस्म, अंतर-फसल, समय पर खरपतवार,कीटों एवं बिमारियों की रोकथाम,,बीबीएफ प्रणाली, अनुसंशित मात्रा में उर्वरकों का उपयोग कर फसल की उत्पादकता को बढाया जो कि पहले वो लगभग 3 क्विंटल/एकड़ लेते थे, जबकि उन्नत तकनीकियों के इस्तेमाल से इन्होंने खरीफ 2024 में सोयाबीन की उपज 4.5 क्विंटल प्रति एकड़ प्राप्त किया।

3 वैज्ञानिक मार्गदर्शन-समृद्ध परिवार समृद्ध देश

परिचय

नाम : **श्री दिलीप जाधव**
पिता : श्री हरकचंद जाधव
पता : ग्राम सिंघोट जिला खंडवा (म.प्र.)
आयु : 37 वर्ष
कुल जमीन : 4 एकड़
खरीफ फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 9691539103
सलाहकार संस्थाएं: भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर , मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति, कृषि विज्ञान केंद्र-खण्डवा
परियोजना : डी.बी.टी.,वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक- किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और रोगों का प्रकोप।
2. जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
3. पुरानी कृषि पद्धति से खेती करना/सस्य अनुसंशायें नहीं अपनाना।
4. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।

निवारण

श्री दिलीप जाधव जी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनिकी की जानकारी भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के वैज्ञानिकों से प्राप्त की जैसे-बीजोपचार, बीबीएफ मशीन से बुवाई, समेकित कीट प्रबंधन, संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन, सोयाबीन अंतरवर्ती फसलें (सोयाबीन:मक्का 2:1) (सोयाबीन:अरहर 4:2) तथा उन्नत एवं उत्तम/उत्कृष्ट किस्मों का प्रयोग। इस परियोजना के माध्यम से से इनको उत्तम/उत्कृष्ट बीज, खाद, कीटनाशक एवं फफूंदनाशक उपलब्ध करवाएं। श्री दिलीप जाधव ने कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम मे भाग लेने के पश्चात ही अच्छी एवं उत्तम कृषि पद्धतियों को अपने खेत पर अपनाया और सोयाबीन के खेत में उर्वरकों, कीटनाशकों की अनुशंसित मात्रा का प्रयोग किया। जिससे इन्होने खरीफ 2024 में सोयाबीन का उत्पादन 3 क्विंटल/एकड़ से बढ़ाकर 4.2 क्विंटल/एकड़ प्राप्त किया।

4 वैज्ञानिक खेती अपनाएं - अपने ग्राम में अलग पहचान बनाएं

परिचय

नाम : **श्रीमति सूरजबाई**
पति : श्री बुद्या
पता : ग्राम बलवाड़ा जि.-खंडवा (म.प्र.)
आयु : 40 वर्ष
कुल जमीन : 4 एकड़
खरीफ फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 7772879005
सलाहकार संस्थाएं : भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर , मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति, कृषि विज्ञान केंद्र-खण्डवा
परियोजना : डी.बी.टी.,वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक- किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण-II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और बीमारियों का प्रकोप।
2. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।
3. पुरानी कृषि पद्धति से खेती करना/सस्य अनुसंशायें नही अपनाना

निवारण

श्रीमती सूरजबाई जो ग्राम बलवाड़ा जो कि पुरानी पद्धति से खेती करती आ रही थी।जिसमे उत्तम/उत्कृष्ट किस्मों की अनुपलब्धता, अनुसंशित बीज दर व अनुसंशित उर्वरकों की जानकारी ना होना, खरपतवार, कीटों तथा रोग प्रबंधन के उचित ज्ञान का अभाव था। श्रीमति सूरज मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के माध्यम से जुडी। इस परियोजना के माध्यम से इनके खेत पर सोयाबीन फसल पर प्रदर्शन लगाया । भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के वैज्ञानिकों द्वारा आयोजित कराए गये प्रशिक्षण कार्यक्रम में सोयाबीन उत्पादन की तकनीकी जानकारी हासिल कर उत्कृष्ट कृषि पद्धतियों को अपने खेत पर अपनाया। इन्होने अपने खेतों मे बौवनी के समय पर पौधे से पौधे को अनुसंशित दूरी तथा बोवनी पूर्व अंकुरण परिक्षण के आधार पर बीज दर को अपना कर इन्होंने बीज ,खाद ,कीटनाशकों व कवकनाशकों की बर्बादी भी कम किया।जिससे इन्होने खरीफ 2024 में सोयाबीन का उत्पादन 2.5 क्विंटल/एकड़ से बढ़ाकर 4.5 क्विंटल/एकड़ प्राप्त किया।

5 वैज्ञानिक अनुशंसाएं - उपज का अधिक मूल्य, अधिक उत्पादन

परिचय

नाम : **श्री शिवशंकर पाटिल** ;
पिता : श्री लक्ष्मण पाटिल
पता : ग्राम भगवानपुरा जि.-खंडवा म.प्र.
आयु : 45 वर्ष
कुल जमीन : 5 एकड़
खरीफ फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 9630573072
सलाहकार संस्थाएं: भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर , मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति, कृषि विज्ञान केंद्र-खण्डवा
परियोजना : डी.बी.टी.,वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक- किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और बीमारियों का प्रकोप।
2. जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
3. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।
4. पुरानी कृषि पद्धति से खेती करना/सस्य अनुसंशायें नही अपनाना।

निवारण

श्री शिवशंकर पाटिल जी ग्राम भगवानपुरा के एक उन्नतिशील किसान है, ये मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के माध्यम से जुड़े हुए है। इस परियोजना के अंतर्गत आयोजित कराए गये कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम मे भाग लेकर इन्होने भूमि की गहरी जुताई, मिट्टी परीक्षण, खरपतवार नियंत्रण, समय पर कीट एवं रोग नाशक दवाओं का छिड़काव, समय-समय पर निगरानी व देखरेख भी की तथा उचित मात्रा में उर्वरक का प्रयोग, समय समय पर कर्षण क्रियाएं, अनुसंशित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग कर इन्होनें खरीफ 2024 में सोयाबीन का उत्पादन को 3.5क्विंटल/एकड़ से 5.4 क्विंटल/एकड़ तक बढ़ाया। कृषक श्री शिवशंकर पाटिल जी ने बताया कि इस सफलता का मुख्य कारण मंथन, भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिक, जिन्होंने समय-समय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करवाये तथा प्रक्षेत्र दिवस के तहत फसल का निरीक्षण कर पूर्ण जानकारी प्रदान की।

6 वैज्ञानिक मार्गदर्शन-सफल किसान की पहचान

परिचय

नाम : **श्री भरत जाधव**
पिता : श्री बिहारी जाधव
पता : ग्राम झाकर जि.-बड़वानी (म.प्र.)
आयु : 45 वर्ष
कुल जमीन : 5 एकड़
खरीफ फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 7747814742
सलाहकार संस्थाएं: भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर, मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति, कृषि विज्ञान केंद्र-बड़वानी
परियोजना : डी.बी.टी.,वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण-II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और बीमारियों का प्रकोप।
2. जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
3. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।
4. पुरानी कृषि पद्धति से खेती करना/सस्य अनुसंशायें नही अपनाना।

निवारण

श्री भरत जाधव जी ग्राम झाकर के एक जागरूक किसान है और ये नई-नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो कि वर्तमान में कृषको को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है श्री भरत जाधव जी, मध्यप्रदेश में क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण-II" के माध्यम से जुड़े हुये है। इस परियोजना के माध्यम से इनके खेत पर सोयाबीन फसल पर प्रदर्शन लगाया गया। इन्होने इस परियोजना के माध्यम से उत्तम/उत्कृष्ट बीज प्राप्त कर अपनी फसल में वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से बीबीएफ पद्धति से बुवाई , अनुशंसित बीज दर, समय पर निंदाई गुड़ाई, खरपतवार नियंत्रण, समय पर उचित कीटनाशकों का उपयोग और अनुशंसित मात्रा में खाद/उर्वरकों का प्रयोग कर खरीफ 2024 में सोयाबीन की उपज 3 क्विंटल/ एकड़ से बढ़ाकर 6.9 क्विंटल/ एकड़ की उपज प्राप्त की तथा इनकी सफलता से प्रेरित होकर अन्य कृषक भी इस क्षेत्र मे सोयाबीन की खेती कर लाभ प्राप्त कर रहे है।

7 वैज्ञानिक करते शोध- उन्नत होता किसान, समृद्ध होता देश

परिचय

नाम : **श्री मांगीलाल**
पिता : श्री कम्मा
पता : ग्राम जामन्या जि.-बड़वानी, म.प्र.
आयु : 37 वर्ष
कुल जमीन : 10 एकड़
खरीफ फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 9669738666
सलाहकार संस्थाएं: भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर , मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति , कृषि विज्ञान केंद्र-बड़वानी
परियोजना : डी.बी.टी.,वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक- किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और बीमारियों का प्रकोप।
2. जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
2. भूमि की उर्वरता में कमी।
4. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।

निवारण

श्री मांगीलाल जी ग्राम जामन्या के एक जागरूक किसान है एवं नई-नई तकनीकियों को अपनाने में विश्वास रखते है जो कि वर्तमान में कृषको को सफल खेती एवं अधिक उत्पादन लेने के लिए अति आवश्यक है। श्री मांगीलाल जी, ग्राम जामन्या, जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के माध्यम से जुड़े हुये है। इस परियोजना के माध्यम से उत्तम/उत्कृष्ट बीज,खाद,कीटनाशक एवं फफूंदनाशक उपलब्ध करवाएं इन्होने इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के वैज्ञानिकों के द्वारा जानकारी प्राप्त कर सोयाबीन फसल की वैज्ञानिक तकनिकी को अपना कर उन्नत किस्मों का प्रयोग, उचित समय पर उर्वरकों का प्रयोग तथा सही समय पर उचित कीटनाशकों का उपयोग किया, जिससे सोयाबीन की उपज पहले वो लगभग 2.5-3 क्विंटल/एकड़ लेते थे, जबकि नवाचार एवं उन्नत तकनीकियों के इस्तेमाल से इन्होंने खरीफ 2024 में सोयाबीन का उत्पादन 5.2 क्विंटल प्रति एकड़ प्राप्त किया।

8 वैज्ञानिक मार्गदर्शन का प्रभाव- दूर होता आर्थिक अभाव

परिचय

नाम : **श्री गणेश तडवे**

पिता : श्री नान्ला तडवे

पता : ग्राम निवाली जि.-बड़वानी , म.प्र.

आयु : 35 वर्ष

कुल जमीन : 2 एकड़

खरीफ फसल : सोयाबीन

संपर्क नं : 7723011689

सलाहकार संस्थाएं : भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर , मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति, कृषि विज्ञान केंद्र-बड़वानी

परियोजना : डी.बी.टी.,वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक- किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण-II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और बीमारियों का प्रकोप।
2. जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
3. भूमि की उर्वरता में कमी।
4. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।

निवारण

श्री गणेश तडवे ग्राम निवाली के एक प्रगतिशील किसान है मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के माध्यम से जुड़े हुये है। इस परियोजना के माध्यम से इनके खेत में सोयाबीन फसल पर प्रदर्शन लगाये गये तथा उत्तम/उत्कृष्ट बीज,खाद,कीटनाशक एवं फफूंदनाशक उपलब्ध करवाएं इन्होने इस परियोजना के माध्यम से आयोजित कराए गये प्रशिक्षण कार्यक्रम में वैज्ञानिकों द्वारा तकनिकी जानकारी हासिल कर अपनी फसल की आय में वृद्धि की। जो कि पहले वो लगभग 3 क्विंटल/एकड़ लेते थे, जबकि नवाचार, उन्नत तकनीकियों, वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन, से इन्होंने खरीफ 2024 में सोयाबीन का उत्पादन 5.5 क्विंटल/एकड़ प्राप्त किया।

9 वैज्ञानिक मार्गदर्शन-सफल किसान

परिचय

नाम : **श्री वैचाण**
पिता : श्री मालू
पता : ग्राम मंसूर जिला बड़वानी (म.प्र.)
आयु : 45 वर्ष
कुल जमीन : 4 एकड़
खरीफ फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 8221954936
सलाहकार संस्थाएं: भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर , मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति, कृषि विज्ञान केंद्र-बड़वानी
परियोजना : डी.बी.टी.,वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और बीमारियों का प्रकोप।
2. जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
3. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।
4. पुरानी कृषि पद्धति से खेती करना/सस्य अनुसंशायें नही अपनाना।

निवारण

श्री वैचाण जी, ग्राम मंसूर, जिला बड़वानी, मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना ''मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण-II" के माध्यम से जुड़े हुये है। इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर से उत्तम/उत्कृष्ट बीज,खाद,कीटनाशक एवं फफूंदनाशक उपलब्ध करवाएं इन्होने इस परियोजना के माध्यम से भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन से नियमित कृषि पद्धतियों को बदलकर और कृषि के नये तरीको को अपनाकर जिसमे उन्नत किस्म, बीजोपचार, समय पर बुवाई, उचित कीटनाशकों का उपयोग, उचित मात्रा के रासायनिक उर्वरकों/खाद का प्रयोग कर उपज में वृद्धि की। इन्होंने खरीफ 2024 में सोयाबीन का उत्पादन 5.5 क्विंटल/एकड़ प्राप्त किया।

10 वैज्ञानिक अनुसंधान - किसानों की समस्याओं का समाधान

परिचय

नाम : **श्री सुखलाल बरडे**
पिता : श्री जगदीश बरडे
पता : ग्राम निवाली जि. बड़वानी (म.प्र.)
आयु : 40 वर्ष
कुल जमीन : 6 एकड़
खरीफ फसल : सोयाबीन
संपर्क नं. : 7400597424
सलाहकार संस्थाएं : भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर , मंथन ग्रामीण एवं समाज समिति, कृषि विज्ञान केंद्र-बड़वानी
परियोजना : डी.बी.टी.,वित्त पोषित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के अन्तर्गत प्रदर्शन।

समस्या

1. कीटों और बीमारियों का प्रकोप।
2. जलवायु एवं मौसम परिवर्तन से उत्पादन में कमी।
3. उत्तम/उत्कृष्ट बीज की अनुपलब्धता।
4. पुरानी कृषि पद्धति से खेती करना/सस्य अनुसंशायें नही अपनाना।

निवारण

श्री सुखलाल जी ग्राम निवाली के एक प्रेरणादायक किसान है जो कई वर्षो से खेती करते आ रहे है, परन्तु मौसम परिवर्तन, रोग एवं कीटों के प्रकोप और एक ही फसल या पुरानी किस्मों के लगातार प्रयोग के कारण कृषक को खेती मे लागत अधिक और फायदा कम हो रहा था फिर ये मध्यप्रदेश मे क्रियान्वित भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर में संचालित परियोजना "मध्य प्रदेश के आठ आकांक्षी जिलों में बायोटेक-किसान हब की गतिविधियों का विस्तार चरण- II" के माध्यम से जुड़े, इन्होने इस परियोजना के माध्यम से वैज्ञानिको की सलाह एवं तकनिकी मार्गदर्शन से इन्होने खरीफ 2024 में सोयाबीन का उत्पादन 3 क्विंटल/एकड़ से बढ़ाकर 8.2 क्विंटल/एकड़ प्राप्त किया। इनकी इस सफलता ने न केवल क्षेत्रीय किसानो को प्रेरित किया बल्कि खेती के क्षेत्र मे नये मानक स्थापितं किये, इन्होने इसका श्रेय भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिको को दिया।

बायोटेक किसान हब
किसान परियोजना अंतर्गत
कृषक प्रशिक्षण

भारतीय जन उर्वरक परियोजना
IFFCO

कृषि विज्ञान केन्द्र, महुवानी

भाकृअनुप
ICAR

हर कदम, हर डगर
किसानों का हमसफर
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद

Agrisearch with a human touch

भा.कृ.अनु.प. - भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान,

ISO 9001:2015

खण्डवा रोड़, इन्दौर- 452001, (म.प्र.) दूरभाष : 0731-2476188

वेबसाइट: https://iisrindore.icar.gov.in फैक्स : 0731-2470520

ई-मेल: director.soybean@icar.gov.in / dsrdirector@gmail.com